महिला नेतृत्व निर्माण अभियान

Mountain Forum
HIMALAYAS
Governance

स्वशासन

"आइए आगे बढ़ें, सुन्दर समाज गढ़ें"

Head Office: Shubham Cottage, 1st Floor, Near Block No.- 20, BCS Phase-III,
New Shimla, Himachal Pradesh - 170 009, Telefax: 91-177-2673439

Uttaranchal Secretariat: H.No.-452, Mansarovar Colony, Ballupur, Chakrata Road,
Dehradun, Uttaranchal-248 001, Telefax: 91-135-2755040

www.mfhimalayas.org

महिला नेतृत्व निर्माण अभियान

दुनिया भर में आधी आबादी औरतों की है। लेकिन निर्णायक भूमिकाओं में औरतों की सक्रिय भागीदारी हो ऐसे बहुत कम उदाहरण है। आज विकास की इस दौड़ में पारम्परिक रीती रिवाजों एंव व्यवस्थाओं को लेकर परिवर्तन का दौर जारी है। उसमें पृित्तसत्तात्मक व्यवस्था में कितना परिर्वतन हुआ है और महिलाओं का संसाधनों व निर्णय व्यवस्था में कितना नियन्त्रण हुआ है यह अभी एक सपने की तरह है।

पर्वतीय अँचलों व गाँवों में महिलाओं की ताताद ज्यादा है। चूँकि, पुरूषों का पलायन जारी है। महिलाऐं अपने गाँव व आस–पास के क्षेत्रों से जुड़े विकास के पहलुओं को बखूबी समझती हैं। पिछले कुछ वर्षो से राष्ट्रीय व अन्तराष्ट्रीय स्तर पर महिला सश्क्तीकरण के सन्दर्भ में महिलाओं के समानता और अधिकारों को लेकर जो पहल की गयी है व सामाजिक संगठनों द्वारा लगातार गाँव स्तर पर महिलाओं के साथ चर्चा कर उन्हें संगठित किया गया है उसके परिणामस्वरूप महिलाओं ने अपने घरेलू काम के साथ–साथ गाँव के विकास के पहलुओं पर भी सोचना शुरू किया हैं। पंचायती राज कानून के बाद तो कई महिलाओं को नेतृत्व करने का मौका मिला। लेकिन काम के क्षेत्र में महिलाओं को कई व्यवहारिक दिक्कतों का सामना करना पड़ा। क्योंकि एक लम्बे समय के बाद घर से बाहर के कामों के लिए भी नियोजन करना उनके लिए अपने आप में चुनौती भरा था। पर उन्होंने अपनी क्षमताओं के अनुरूप चुनौतियों का सामना किया। इस प्रकार महिलाओं ने अपने घर की जिम्मेदारियों के साथ–साथ नेतृत्व की भूमिका भी निभायी। पंचायती राज से आरक्षित सीट पर महिलाओं की भागीदारी ने साबित किया है कि, वे गांव के विकास के मुद्दों को बखूबी समझती हैं। उन्होंने पूरी लगन, निष्ठा व ईमानदारी के साथ अपनी क्षमताओं के अनुरूप जिम्मेदारियों का निर्वाह किया है। उनके इस उभरे व्यक्तित्व व क्षमताओं को देखते हुए आज जरूरत महसूस होती है कि, महिलाओं को उन सारी प्रक्रियाओं में शामिल किया जाए, जहाँ से विकास परक बुनियाद शुरू होती है। ताकि वे उन सारी स्थितियों की वास्तविकता को समझ सकें और व्यवहारिक रूप से सुलझा सकें। इन प्रक्रियाओं से गुजरने के लिए उन्हें ऐसा मंच दिए जाने की आवश्यकता है, जहाँ उन्हें बिना चुप कराऐ या दबाए अपनी बात कहने की आजादी मिले।

महिलाऐं हमारे मानव संसाधन का पचास फीसदी हिस्सा है। गाँव व परिवार में समर्पित महिलाओं को आगे बढ़ने का मौका देने के लिए माहौल तैयार करना होगा। इससे समय की जरूरत के मुताबिक राष्ट्रीय विकास में उनका अधिक योगदान मिल सकेगा। इस सन्दर्भ में माउन्टेन फोरम हिमालया महिलाओं को बड़े विकास समूह के रूप में देखता है। वे विकास की प्रक्रिया में अहम भूमिका निभा सकती हैं। जिसके लिए उन्हें सुनियोजित तरीके से प्रशिक्षित कर तैयार करना होगा। ताकि वो घर, गाँव के विकास के साथ–साथ राज्य, राष्ट्रीय स्तर पर भी सफल योगदान दे सकें। हमारी सोच है कि हिमालयी परिस्थितियों की जानकार महिलाओं का राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर योगदान लिया जाए।

महिला नेतृत्व निर्माण अभियान का उद्देश्य

महिलाओं का हमेशा भीड़ के रूप में ही इस्तमाल होता रहा है। जिसका नियन्त्रण अकसर किसी और के हाथ में होता है। माउन्टेन फोरम हिमालया का प्रयास है कि महिलाओं को और जानकार व जागरूक बनाया जाये जिससे महिलाऐं खुद से तय कर पायें कि, विकास प्रक्रियाओं में वे भीड़ के रूप में नहीं बल्कि संगठित होकर स्वयं से नियन्त्रत हैं। वो जो करने जा रहीं है उस पर उनकी सोच स्पष्ट हो। इस सन्दर्भ में माउन्टेन फोरम हिमालया ने महिला नेतृत्व निर्माण अभियान शुरू किया है। अभियान का उद्देश्य है–

- विभिन्न क्षेत्रों में नेतृत्व कर रही महिलाओं को निर्णायक की भूमिका में लाने के लिए प्रयास करना।
- विकास से जुड़े मुद्दों को समझकर उनसे जुड़े प्रश्न उठाना साथ ही मुद्दों को विश्लेषित कर स्वयं के हित में निर्णय लेना।
- सरकार द्वारा विकासात्मक मुद्दों पर तैयार की जा रही नीतीयों एंव प्रयासों को गतिशील बनाने के लिए हस्तक्षेप की भूमिका में आना।
- विकास नीतीयों को समझने की क्षमता विकसित करना। ताकि विकासात्मक मुद्दों पर एक जुट होकर हस्तक्षेप की भूमिका में आ सकें।
- सहभागी प्रक्रियाओं एंव अनुभवों के आधार पर निर्णय लिए जाने के लिए तैयार करना।
- उनके आत्मविश्वास एंव आत्मछवि का विकास करना जिससे वह घर व समाज में खुद को अभिव्यक्त कर सके।
- वोट का अधिकार, उपयोग एंव चुनाव लड़ने की प्रक्रिया सम्बन्धी जानकारी से भी वह राजनीतिक स्तरों पर भी निर्णयों को प्रभावित कर सकें।
- प्रबन्धन की एक ऐसी विकेन्द्रीकृत व सहभागी प्रणाली की स्थापना करना जिसमें महिलाओं को प्रत्येक स्तर पर निर्णय लेने का अधिकार उपलब्ध हो।
- संगठनात्मक सोच के साथ सामाजिक बदलाव हेतु योजना बनाने और उनके क्रियान्वयन के लिए लगातार प्रयास करना ताकि जिन्दगी को बेहतर बनाने के लिए समझ तैयार हो सके।
- महिलाओं का सशक्तिकरण अर्थात उनकी तार्किक क्षमता का विकास करना । सीधे शब्दों में उनके अन्दर सही गलत, अच्छे बुरे की समझ पैदा करना जिससे वे अपने जीवन पर असर डाल रहे हर व्यक्तिगत/सामाजिक/राजनीतिक मुद्दों पर आवाज उठा सकें व जबाव भी दे सकें।

माउन्टेन फोरम हिमालया की भूमिका

विकास की इस सकारात्मक दिशा में महिलाओं को तैयार करने के लिए फोरम द्वारा महिला नेतृत्व निर्माण अभियान के दौरान निम्नलिखित प्रयास किए जायेंगे–

- महिला नेतृत्व निर्माण अभियान के लिए हिमाचल प्रदेश व उत्तरांचल से ऐसी 500 महिलाएं का चयन किया जायेगा जो नेतृत्व कर रही हैं या कर चुकी हैं। चयनित महिलाओं की व्यक्तिगत प्रोफाइल तैयार की जाएगी।
- दीर्घ कालीन प्रशिक्षणों के माध्यम से महिलाओं को लम्बे अवधि तक जोड़ा जा सकेगा। इसमें उनके घर कार्यो के बोझ को देखते हुए समय–समय पर एक–एक, दो–दो दिन के प्रशिक्षण दिए जाने की व्यवस्था होगी।
- महिलाओं की व्यक्तिगत तैयार प्रोफाइल के माध्यम से माउन्टेन फोरम हिमालया का लगातार जानकारियों के आदान प्रदान व प्रत्राचार के माध्यम से निरन्तरता बनायी जायेगी। जिससे घर बैठे भी उनका फोरम से जुड़ाव बना रहे।
- माउन्टेन फोरम हिमालया द्वारा 500 महिलाओं की विकास को लेकर एक सही समझ विकसित की जाएगी और प्रयास होगा कि आपस में उनकी मुद्‌दों को लेकर एक समझदारी बने और आने वाले समय में वे एक दूसरे का साथ दे सकें। इस प्रकार नीती गत स्तर पर उनका अपना नेटवर्क तैयार हो सकेगा।
- प्रशिक्षणों के माध्यम से उन्हें इतना प्रभावी बनाया जायेगा कि उनकी पहचान अपने क्षेत्र में एक विशेषज्ञ के रूप में हो सके।

महिलाओं की भूमिका

इस अभियान को प्रभावी बनाने के लिए महिलाओं को भी अपने स्तर से प्रयास करने होंगें। जिससे महिला नेतृत्व निर्माण अभियान को साकार रूप दिया जा सकेगा।

- चयनित महिलाओं को समय–समय पर दी जाने वाली जानकारियों को वे वापस अपने गांव व आसपास के क्षेत्रों के लोगों की समझ बनाने का प्रयास करेंगी।
- प्रशिक्षित महिलाओं का प्रयास होना चाहिए कि वे अपने स्तर से गांव/क्षेत्र/जनपद व अन्य स्तरों पर विकास कार्यक्रमों में भागीदारी कर अपनी पहुँच कायम करें।
- हमारी भूमिका इतनी प्रभावी हो कि सरकारी/गैर सरकारी स्तरों पर विकास कार्यक्रमों में हमारा सक्रिय रूप से योगदान लिया जाए।
- विकासात्मक मुद्‌दों पर बन रही नीतियों पर हिमालयी हितों को ध्यान में रखते नीति निर्माताओं का ध्यान आर्कषित कर सकें।

इस प्रकार माउन्टेन फोरम हिमालया महिला नेतृत्व निर्माण अभियान के माध्यम से महिलाओं के नेतृत्व निर्माण में मार्ग निर्देशन कर पायेगा और संघर्षशील महिलाओं को प्रोत्सहान मिलेगा। इससे नीति निर्माताओं को प्रभावी नीतियों के निर्माण के लिए मार्गदर्शन मिल सकेगा व सकारात्मक दिशा प्रदान करेगा। जो कि राष्ट्रीय विकास में योगदान करेगा।